II RAM II
HANUMANT HIGH SCHOOL
RBK EDUCATIONAL INSTITUTIONS

प्रतिवेदन

दिनांक : ०९/०२/२०१८

अतिथि विशेष : श्रीमान पार्थिवभाई हरियाणी

दिनांक ९ फरवरी के दिन कक्षा छः के हिंदी विषय पाठ्यक्रम में समाविष्ट कविता "वन के मार्ग में" के लिए हमने अतिथि विशेष 'श्रीमान पार्थिवभाई हरियाणी' को सादर आमंत्रित किया था, जो रामायण के अच्छे ज्ञाता है | प्रस्तुत एकम रामायण के अयोध्याकाण्ड से संलग्न दो चोपाईयों के रूपमें है| जिसमें रामजी के चौदह वर्ष के वनगमन के प्रसंग का वर्णन है| उन्होंने रामायण की इन्ही चोपाई के अर्थ को सरल रूप से छात्रों के समक्ष प्रस्तुत किया| रामायण के गूढ़ व् मानव कल्याण रूपी ज्ञान को सरल भाषा में समझाया गया| इतना ही नहीं छात्रों ने रामायण से सुसंगत अन्य कथा प्रसंगों को भी जानने की उत्सुकुता दिखाई और अतिथि विशेष ने छात्रों को अन्य प्रसंगों के बारे में भी बताया|

प्रस्तुत साक्षात्कार का अपेक्षित शिक्षण परिणाम यह था की छात्र भारतीय संस्कृति के प्रति अभिमुख हो और उनके प्रति अपनी रूचि बढ़ाए|

यह गतिविधि सार्थक व् उत्साहजनक रही |

KANAKIA
PERFECTION ALL THE WAY
Supported by the KANAKIA Group